भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान

समाचार–पत्र

Nurturing diversity, Resilience, Livelihood and Industrial inputs

VOL 6 | ISSUE 1 जनवरी – जून, 2020 Website: http://www.iimr.icar.gov.in

अनुसंधान विशेषताएं

आशाजनक प्रौद्योगिकियां

दिनांक 20 से 22 अप्रैल, 2020 को आयोजित 63वीं वार्षिक मक्का कार्यशाला (ऑन–लाइन) के दौरान किस्मीय पहचान समिति ने भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान (ICAR - IIMR) द्वारा विकसित किए गए क्वालिटी प्रोटीन मक्का (QPM) के दो आशाजनक संकरों की पहचान खेती प्रयोजन हेतु जारी करने के लिए की गई ।

क्र.सं.	संकर किस्म का नाम	मक्का का प्रकार	उपज (टन/हे.)	बढ़वार सीजन	परिपक्वता वर्ग	बढ़वार पारिस्थितिकी
1	आईक्यूपीएमएच 1601	क्वालिटी प्रोटीन मक्का	7.2	खरीफ	मध्यम	जोन II (पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश तथा उत्तराखण्ड़ के मैदानी इलाके)
2	आईक्यूपीएमएच 1705	क्वालिटी प्रोटीन मक्का	6.3	खरीफ	मध्यम	जोन V (गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़)

आईक्यूपीएमएच – 1705

आईक्यूपीएमएच – 1601

प्रमुख अनुसंधान गतिविधियां

- दो प्रविष्टियों यथा आईएमएचएसबी 19 के–2 तथा आईएमएचएसबी 19 के–1 को प्रारंभिक किस्मीय परीक्षण मध्यम (IVT मध्यम) से प्रगत किस्मीय परीक्षण I मध्यम (AVT - I मध्यम) में प्रोन्नत किया गया।
- एक अंतः प्रजात वंशक्रम (आईएमआर 284) को सीएमएस आधारित बेबीकॉर्न संकर का विकास करने के लिए कोशिकाद्रव्यीय नर वंध्य (सीएमएस) वंशक्रम में रूपांतरित किया गया ।
- स्थान विशिष्ट पोषक तत्व प्रबंधन (SSNM) आधारित संरक्षित कृषि (CA) पद्धति द्वारा उल्लेखनीय रूप से कहीं उच्चतर वार्षिक कार्बन संचय दर हासिल की गई जिससे इसका संकेत मिलता है कि पोषक तत्व साइक्लिंग, मृदा गुणवत्ता, फसल उत्पादकता और कार्बन पृथक्करण क्षमता में सुधार लाने के लिए स्थान विशिष्ट पोषक तत्व प्रबंधन के साथ संरक्षित कृषि को अपनाना जरूरी है।

- मक्का में फाइटेट निर्माण के एक प्रमुख एंजाइम, आईपीके–1 में कम्प्यूटेशनल विश्लेषण के माध्यम से पोषाधार के साथ अपशिष्ट की पारस्परिकता को स्पष्ट किया गया था। हासिल किए परिणामों का न्यूनतम प्लीओट्रॉपिक प्रभावों के साथ कम फाइटेट वाली मक्का का विकास करने के लिए जीन सम्पादित लक्ष्यों की डिजा. इन तैयार करने में भरपूर उपयोग किया जाएगा।

- टर्किकम पत्ती अंगमारी के लिए उत्तरदायी एक्सेरोहिलम टर्किकम के चौदह पृथक्कों का शुद्धिकरण किया गया और उनके आकृतिविज्ञान डाटा को दर्ज किया गया।

- एमाइलोज की उच्च मात्रा वाले दो वंशक्रमों यथा ईसी 972405 (39.91 प्रतिशत) तथा ईसी 972408 (35.29 प्रतिशत) की पहचान की गई।

प्रमुख आयोजन

गणतंत्र दिवस समारोह

संस्थान और इसके क्षेत्रीय केन्द्रों पर 71वां गणतंत्र दिवस समारोह पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। निदेशक, भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान ने लाडोवाल, लुधियाना में संस्थान के भावी परिसर में राष्ट्र–ध्वज फहराया। निदेशक महोदय ने वैज्ञानिकों से राष्ट्र की समावेशी प्रगति एवं विकास के लिए किसान उन्मुख अनुसंधान पर ध्यान केन्द्रित करने का आह्वान किया। संस्थान के सभी स्टाफ सदस्यों एवं खेत कार्मिकों ने पूर्ण देशप्रेम के साथ कार्यक्रम में भाग लिया।

चित्र : गणतंत्र दिवस पर ध्वजारोहण समारोह

ग्लोबल आलू कॉनक्लेव का सीधा प्रसारण

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने दिनांक 28 जनवरी, 2020 को गांधीनगर में आयोजित तृतीय ग्लोबल आलू कॉनक्लेव को सम्बोधित किया। संस्थान के सभी वैज्ञानिक, तकनीकी एवं सहायी स्टाफ ने इस सीधे प्रसारण कार्यक्रम में भाग लिया और प्रेरणात्मक सम्बोधन को सुना।

चित्र : संस्थान के स्टाफ सदस्यों द्वारा ग्लोबल आलू कॉनक्लेव में भागीदारी

सम्पर्क विकसित करना

अनुसंधान एवं प्रसार गतिविधियों को मजबूती प्रदान करने और इनमें तेजी लाने के प्रयोजन से संस्थान द्वारा प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संगठनों के साथ सम्पर्क विकसित किया गया। इस संबंध में संस्थान द्वारा पांच वर्ष की अवधि के लिए चारा एवं साइलेज मक्का पर सहयोगात्मक अनुसंधान करने हेतु राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (NDDB), आणंद, गुजरात के साथ दिनांक 29 जनवरी, 2020 को समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए।

संस्थान द्वारा विकसित की गईं संकर किस्मों को अपनाने में बढ़ोतरी करने के प्रयोजन से एक निजी बीज कम्पनी, कोशी सीड्स लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए । इसके तहत भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान द्वारा विकसित मक्का संकर डीएमआरएच 1301 का बीज उत्पादन किया जाएगा।

"बुद्धिचातुर्य कृषि के लिए साइबर कृषि–भौतिकी प्रणाली" पर सहयोगात्मक अनुसंधान करने के लिए तीन वर्ष की अवधि हेतु प्रगत कम्प्यूटिंग विकास केन्द्र (C-DAC), मोहाली, पंजाब के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान तथा लवली प्रोफेशनल विश्वविद्यालय, जालन्धर, पंजाब के बीच छात्रों के प्रशिक्षण/स्नातकोत्तर अनुसंधान/पीएच.डी. पर सहयोगात्मक कार्यक्रम के लिए पांच वर्ष की अवधि हेतु एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए।

चित्र : राष्ट्रीय मक्का सेमिनार की झलकियां

राष्ट्रीय मक्का सेमिनार

भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान द्वारा मेज टैक्नोलॉजिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (MTAI) एवं पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना के साथ सहयोग करते हुए संस्थान के छठे स्थापना दिवस के अवसर पर दिनांक 9 – 10 फरवरी, 2020 को ''परिवर्तनशील जलवायु परिदृश्य के तहत फसल विविधीकरण के लिए मक्का'' विषय पर एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार का उद्घाटन श्री सुरेश कुमार, मुख्य प्रधान सचिव, पंजाब सरकार ने दिनांक 9 फरवरी, 2020 को किया। अपने सम्बोधन में मुख्य अतिथि ने इस बात पर बल दिया कि खरीफ मक्का में पंजाब राज्य में चावल की खेती में विविधीकरण लाने की व्यापक क्षमता है और उन्होंने संस्थान के वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे खरीफ सीजन के लिए उपयुक्त उच्च उपजशील मक्का संकरों का विकास करें। उन्होंने लाडोवाल में भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान का नया परिसर स्थापित करने में निदेशक महोदय द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर सेमिनार की एक सारांश पुस्तिका और हिन्दी पत्रिका 'कृषि चेतना' का विमोचन किया गया। साथ ही इस अवसर पर मेज टैक्नोलॉजिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (MTAI) द्वारा मक्का के अनुसंधान एवं विकास में उल्लेखनीय योगदान करने वाले विशिष्ट मक्का वैज्ञानिकों को पुरस्कृत किया गया।

चित्र : राष्ट्रीय मक्का सेमिनार की झलकियां

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

संस्थान एवं इसके क्षेत्रीय केन्द्रों पर दिनांक 09 मार्च, 2020 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में, समाज में विशेषकर कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला गया।

कोविड–19 महामारी के दौरान समाज सेवा

कोविड–2019 महामारी के दौरान, समाज के प्रति अपनी भूमिका एवं जिम्मेदारियों को निभाते हुए संस्थान के सभी स्टाफ सदस्यों द्वारा जी–जान से योगदान किया गया और कोविड–2019 की लॉकडाउन अवधि के दौरान, लुधियाना, बेगुसराय, हैदराबाद और नई दिल्ली में खेत कामगारों और अन्य जरूरतमंदों को रोजमर्रा की वस्तुओं, सब्जियों और मास्क आदि का वितरण किया गया। स्टाफ सदस्यों के इस परो. पकारी कार्य से कुल 135 परिवार लाभान्वित हुए।

चित्र : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह

चित्र : कोविड–19 लॉकडाउन अवधि के दौरान राशन का वितरण

वार्षिक मक्का कार्यशाला

भाकृअनुप – अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना प्रणाली के इतिहास में पहली बार विर्च्युल कार्यशाला का आयोजन किया गया और दिनांक 20–22 अप्रैल, 2020 को भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, लुधियाना में 63वीं वार्षिक मक्का कार्यशाला का आयोजन ऑन–लाइन किया गया। इस कार्यशाला में देशभर के सार्वजनिक एवं निजी सेक्टर दोनों से लगभग 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला का उद्घाटन डॉ. टी.आर. शर्मा, उप महा निदेशक (फसल विज्ञान), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली ने किया और इसमें कुल छः सत्र आयोजित किए गए। विभिन्न सत्रों की अध्यक्षता प्रख्यात तकनीकीविदों ने की जिनमें : डॉ. टी.आर. शर्मा, उप महानिदेशक (फसल विज्ञान); डॉ. एस.के. चौधरी, उप महानिदेशक (प्राकृतिक संसाधन प्रबंध), भाकृअनुप; एवं डॉ. पी.के. चक्रबर्ती, सदस्य, कृषि वैज्ञानिक चयन मण्डल, नई दिल्ली आदि सदस्य शामिल थे । डॉ. टी.आर. शर्मा, उप महानिदेशक (फसल विज्ञान) ने अपनी प्रारंभिक

टिप्पणी में सबसे पुरानी अखिल भारतीय मक्का समन्वित अनुसंधान परियोजना द्वारा निभाई गई भूमिका की सराहना करते हुए कोविड–10 महामारी के दौरान पहली विर्च्युल एआईसीआरपी कार्यशाला आयोजित करने के लिए निदेशक महोदय को बधाई दी। समापन सत्र के मुख्य अतिथि डॉ. त्रिलोचन महापात्र, सचिव, डेयर एवं महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद थे। महानिदेशक महोदय ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के इतिहास में अभी तक की पहली ऑन–लाइन कार्यशाला का आयोजन करने के लिए संस्थान के निदेशक एवं मक्का परिवार को अपनी बधाई दी। अपने सम्बोधन में, मुख्य अतिथि महोदय डॉ. महापात्र ने राष्ट्रीय कृषि प्रणाली में मक्का के महत्व पर प्रकाश डाला और देशभर में मक्का की खेती को बढ़ाने के संबंध में अपने मूल्यवान सुझाव दिए। उन्होंने जैविक तथा अजैविक दबावों के प्रतिरोध ी मक्का संकरों का विकास करने हेतु जैव प्रौद्योगिकीय हस्तक्षेपों का उपयोग करने पर बल दिया। कार्यशाला के दौरान, मक्का किसानों के लाभ हेतु मुख्य अतिथि महोदय ने एक एंड्राइड आधारित मोबाइल ऐप, मक्का (MAKKA) को जारी किया।

चित्र : मुख्य अतिथि डॉ. त्रिलोचन महापात्र अपने विचार प्रकट करते हुए

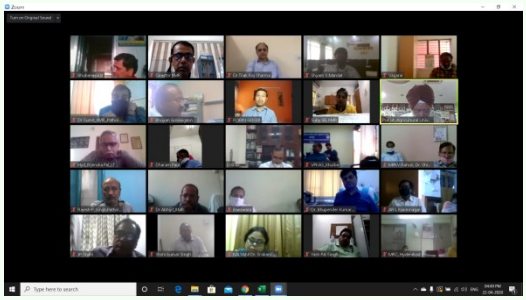

चित्र : वार्षिक मक्का कार्यशाला के प्रतिभागी

चित्र : मक्का (MAKKA) मोबाइल ऐप

हिन्दी कार्यशाला

भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, लुधियाना में राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने और राजभाषा संबंधी अधिनियमों, नियमों व आदेशों का अनुपालन करने हेतु वर्ष 2020–2021 के दौरान प्रथम तिमाही (अप्रैल से जून, 2020) में पहली ऑन–लाइन हिन्दी कार्यशाला का आयोजन दिनांक 30 जून, 2020 को किया गया। इस कार्यशाला का विषय "हिन्दी के लिए आईटी टूल्स" था। कार्यशाला में अतिथि वक्ता के रूप में श्री प्रभजीत सिंह, प्रबंधक एवं राजभाषा अधिकारी, पंजाब नेशनल बैंक, मंडल कार्यालय, लुधियाना को आमंत्रित किया गया । इस कार्यशाला में संस्थान के सभी वर्गों के अधिकारियों व कर्मचारियों ने भाग लिया। अतिथि वक्ता ने हिन्दी भाषा के विभिन्न आईटी टूल्स के बारे में जानकारी देने के साथ ही यह भी बताया कि किस प्रकार इन आईटी टूल्स का प्रयोग करके हम कार्यालय तथा दैनिक जीवन में हिन्दी भाषा के प्रयोग को बढ़ावा दे सकते हैं।

प्रमुख बैठकें

अनुसंधान सलाहकार समिति (RAC) की बैठक

भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, लुधियाना की अनुसंध ान सलाहकार समिति (RAC) की बैठक का आयोजन दिनांक 25 – 26 फरवरी, 2020 को पूसा परिसर, नई दिल्ली में स्थित संस्थान की दिल्ली इकाई में किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता डॉ. हरि शंकर गुप्ता, पूर्व महानिदेशक, बीआईएसए एवं पूर्व निदेशक, भाकृअनुप – भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा, नई दिल्ली ने की।

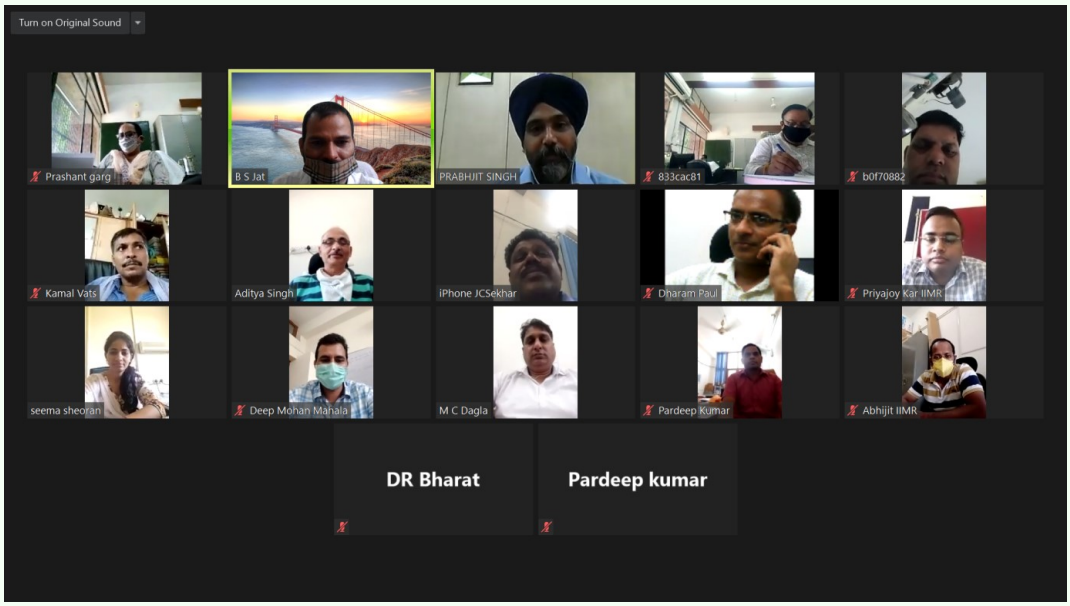

चित्र : ऑन–लाइन हिन्दी कार्यशाला की झलक

अपने विचार प्रकट करते हुए डॉ. गुप्ता ने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे आर्थिकी, ऊर्जा की बचत और पारिस्थितिकी परिणामों के संबंध में मक्का द्वारा बारानी उच्चभूमि चावल का स्थान लेने के प्रभाव का मूल्यांकन करें। उन्होंने वैज्ञानिकों से नए विकसित किए गए मक्का संकरों का बीज उत्पादन करने के लिए एक क्रियाविधि का विकास करने का अनुरोध किया ताकि सार्वजनिक संस्थानों द्वारा विकसित संकर किस्में किसानों के खेतों तक पहुंच सकें। अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक में विशेष आमंत्रित के रूप में पधारे डॉ. टी.आर. शर्मा, उप महानिदेशक (फसल विज्ञान), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली ने वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए बाह्य वित्तीय सहायता और सहयोग की जरूरत पर बल दिया ताकि बड़ी संख्या में युवा छात्रों को अनुसंधान गतिविधियों की ओर आकर्षित किया जा सके। अनुसंधान सलाहकार समिति के अन्य सदस्यों ने व्यापक क्षेत्र में शून्य जुताई वाली मक्का खेती को लोकप्रिय बनाने, एक मजबूत बीज उत्पादन श्रृंखला विकसित करने और फार्म यांत्रिकीकरण करने, मक्का की क्षमताओं को देखते हुए मिड–डे मील में क्यूपीएम को शामिल करने, 'न्यूट्रि–मेज (NUTRI-MAIZE)' के रूप में क्यूपीएम एवं β & कैरोटिन के साथ जैव प्रवर्धित मक्का घोषित करने में जरूरी प्रयास करने, परपोषी पादप प्रतिरोधिता के लिए प्रजनन करने, गैर पारम्परिक इलाकों में मक्का खेती का मूल्यांकन करने, मूल्य श्रृंखला विश्लेषण एवं व्यवसाय इनक्यूबेशन करने, गुणवत्ता बीज उत्पादन करने तथा उचित प्रौद्योगिकी अंगीकरण के लिए किसानों के खेतों पर अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन करने की जरूरत पर बल दिया।

चित्र : अनुसंधान संबंधी कार्यसूची मदों पर चर्चा करते हुए अनुसंधान

चित्र : अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक में उप महानिदेशक

वैज्ञानिक पाण्डुलिपि में साहित्यिक चोरी को रोकने के लिए पहल

संस्थान के पीएमई सेल एवं प्रकाशन समिति के सदस्यों ने दिनांक 28 अप्रैल, 2020 को एक बैठक में भाग लिया जिसकी अध्यक्षता संस्थान के निदेशक महोदय द्वारा की गई। इस बैठक का प्रयोजन साहित्यिक चोरी सॉफ्टवेयर के विभिन्न पहलुओं का मूल्यांकन करना था। मैसर्स आइथैन्टीकेट से श्री सौरभ ने सॉफटवेयर को प्रदर्शित किया और वैज्ञा. निक पाण्डुलिपियों में समानता की जांच करने के लिए इसका महत्व बताया।

सीजीआईएआर की वार्षिक समीक्षा बैठक

निदेशक, भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, लुधियाना ने वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से दिनांक 4 मई, 2020 को अंतर्राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान पर परामर्शक समूह (CGIAR) के संस्थानों की वार्षिक समीक्षा बैठक में भाग लिया और अपने बहुमूल्य सुझाव दिए।

किस्मीय पहचान समिति की बैठक

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के इतिहास में पहली बार, अखिल भारतीय समन्वित मक्का अनुसंधान परियोजना की किस्मीय पहचान समिति की बैठक का आयोजन दिनांक 5 मई, 2020 को वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता डॉ. टी .आर. शर्मा, उप महानिदेशक (फसल विज्ञान), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली ने की। भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान से पांच संसाधन व्यक्तियों के साथ किस्मीय पहचान समिति के कुल दस सदस्यों ने इस बैठक में भाग लिया। इसमें कुल 26 प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए और गहन चर्चा के उपरान्त कुल 17 जीनप्ररूपों की पहचान जारी करने के लिए की गई।

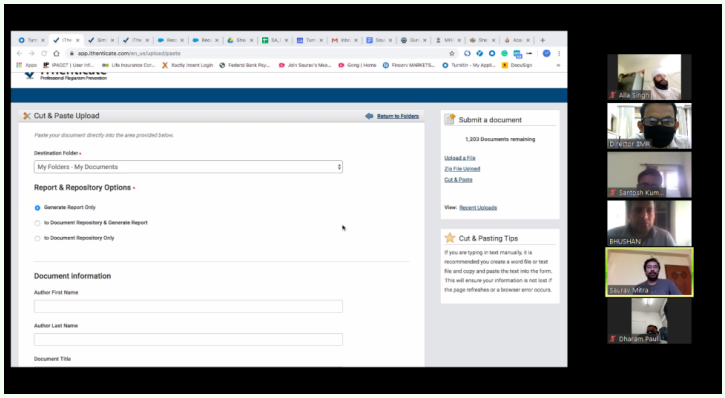

चित्र : संस्थान के स्टाफ सदस्य आईथैन्टीकेट सॉफ्टवेयर के बारे में जानकारी हासिल करते हुए

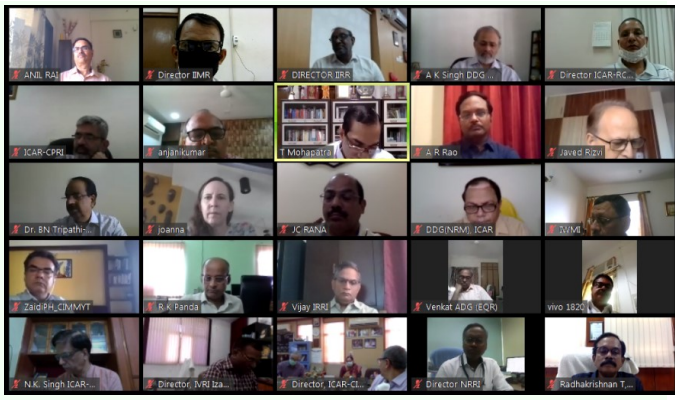

चित्र : सीजीआईएआर संस्थानों की वार्षिक समीक्षा बैठक में प्रतिभागी

चित्र : किस्मीय पहचान समिति की बैठक में प्रतिभागी

फॉल आर्मीवर्म (FAW) के नियंत्रण पर वैश्विक कार्रवाई बैठक

निदेशक, भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, लुधियाना ने दिनांक 19 मई, 2020 को वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से एफएओ तकनीकी समिति – फॉल आर्मीवर्म (FAW) नियंत्रण पर वैश्विक कार्रवाई बैठक में एफएओ तकनीकी समिति के सदस्य के रूप में भाग लिया । इस बैठक की अध्यक्षता श्री रॉबर्ट बर्टान, यूएसएआईडी, वाशिंगटन डीसी, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा की गई। इस बैठक के उपाध्यक्ष का उत्तरदायित्व श्री बुकर तिजानी, सहायक महा. निदेशक, एफएओ, रोम ने संभाला। इसके तहत कार्यक्रम में कुल इक्कीस प्राथमिकता देश हैं। इस बैठक में भारत की मजबूत प्रसार एवं निगरानी प्रणाली की सराहना की गई। इसमें कुल 48 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

चित्र : फॉल आर्मीवर्म (FAW) नियंत्रण पर वैश्विक कार्रवाई बैठक में प्रतिभागी

भाकृअनुप – आईआईएमआर एवं इसरो – अंतरिक्ष अनुप्रयोग केन्द्र के मध्य विर्च्युल पारस्परिकता बैठक

भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान तथा इसरो – अंतरिक्ष अनुप्रयोग केन्द्र (ISRO - SAC) के वैज्ञानिकों के मध्य दिनांक 22 मई, 2020 को एक विर्च्युल पारस्परिकता बैठक का आयोजन किया गया ताकि एक–दूसरे के कार्यक्षेत्र के बारे में जानकारी हासिल की जा सके और मक्का सुधार के लिए सहयोगात्मक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण के परस्पर क्षेत्रों का पता लगाया जा सके। इस बैठक में दोनों संस्थ. ानों से कुल 22 वैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों ने भाग लिया। डॉ. सुजय र क्षत, निदेशक, भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए अखिल भारतीय समन्वित मक्का अनुसंधान परियोजना द्वारा चलाई जा रहीं गतिविधियों को प्रस्तुत किया। डॉ. बिमल के. भट्टाचार्य, अध्यक्ष, एईडी, अंतरिक्ष अनुप्रयोग केन्द्र, इसरो ने प्रारंभिक टिप्पणी प्रस्तुत की और प्रतिभागियों को यह जानकारी दी कि सेटेलाइट रिमोट सेन्सिंग द्वारा मक्का सहित अन्य फसलों पर कार्य किया जाता है। बैठक के दौरान, भाकृअनुप भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान एवं इसरो & अंतरिक्ष अनुप्रयोग केन्द्र (ISRO - SAC) के बीच सहयोग के सभी संभावित क्षेत्रों पर चर्चा की गई और एक संयुक्त कार्य योजना पर सहमति व्यक्त की गई।

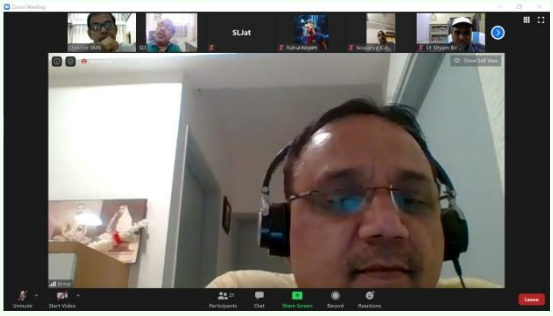

चित्र : डॉ. सुजय रक्षित एवं डॉ. बिमल के. भट्टाचार्य द्वारा कार्यसूची मदों पर चर्चा

फॉल आर्मीवर्म (FAW) अनुसंधान सहयोग पोर्टल पर संचालन समिति की बैठक

निदेशक, भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान ने दिनांक 10 जून, 2020 को फॉल आर्मीवर्म (FAW) अनुसंधान सहयोग पोर्टल पर आयोजित संचालन समिति की बैठक में भाग लिया। इस बैठक में कुल 24 प्रतिभागियों ने भाग लिया। बैठक की मुख्य कार्यसूची में विकासशील फॉल आर्मीवर्म (FAW) पोर्टल की स्थिति में हुई प्रगति पर चर्चा करना था। इस बैठक में पोर्टल की विभिन्न विशेषताओं पर चर्चा की गई।

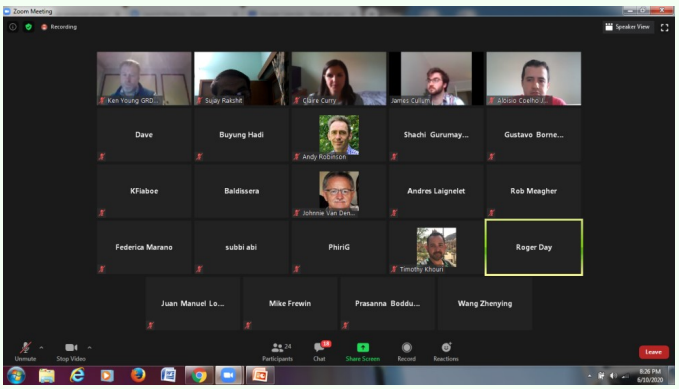

चित्र : फॉल आर्मीवर्म (FAW) पर संचालन समिति की बैठक में प्रतिभागी

संस्थान अनुसंधान परिषद (IRC) की बैठक

भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान की संस्थान अनुसंधान परिषद (IRC) बैठक का आयोजन दिनांक 15, 17 एवं 18 जून, 2020 को किया गया जिसकी अध्यक्षता संस्थान के निदेशक महोदय डॉ. सुजय रक्षित ने की। इसका प्रयोजन चालू अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करना और नए परियोजना प्रस्तावों पर विचार करना था। डॉ. डी.के. यादव, सहायक महानिदेशक (बीज), भाकृअनुप ; डॉ. आई.एस. सिंह, पूर्व मक्का प्रजनक, गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर, उत्तराखण्ड़; डॉ. पी.एन. शर्मा, वरिष्ठ रोगविज्ञान, एचपीकेवी, पालमपुर, हिमाचल प्रदेश; डॉ. गुरूराज कट्टी, प्रधान वैज्ञानिक (कीटविज्ञान), भाकृअनुप – भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान (ICAR - IIRR), हैदराबाद; डॉ. ए.आर. शर्मा, निदेशक (अनुसंधान), रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी, उत्तर प्रदेश; एवं डॉ. एम.एल. लोढ़ा, पूर्व अध्यक्ष, जैव रसायनविज्ञान संभाग, भाकृअनुप – भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा, नई दिल्ली ने इस बैठक में बाह्य विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया। समिति के अध्यक्ष डॉ. सुजय रक्षित ने संस्थान की अनुसंधान विशेषताओं और चल रहीं अन्य गतिविधियों पर प्रस्तुतिकरण दिया और वैज्ञानिकों को उनकी उपलब्धियों के लिए प्रशंसा की। कुल उन्नीस ध रेलू तथा चौदह बाह्य वित्तीय सहायता प्राप्त परियोजनाओं की वार्षिक उपलब्धियों को प्रस्तुत किया गया और एक नवीन परियोजना प्रस्ताव को अनुमोदित किया गया।

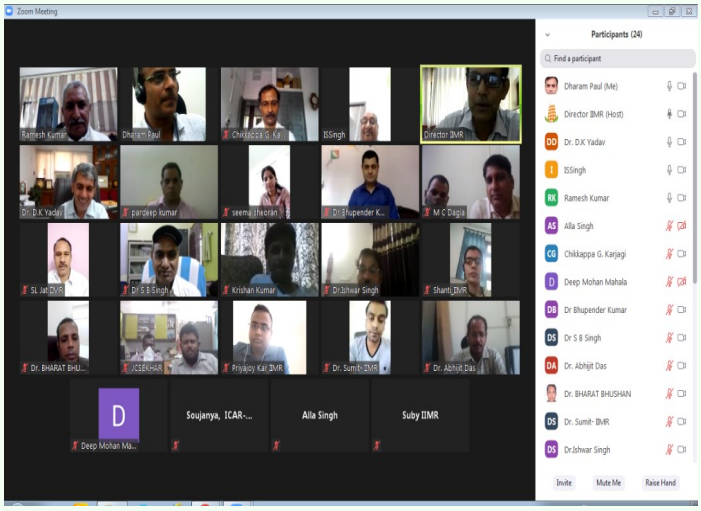

चित्र : विर्च्युल संस्थान अनुसंधान परिषद बैठक की झलक

अखिल भारतीय समन्वित चारा अनुसंधान परियोजना एवं अन्य कार्यक्रमों के बीच समन्वय बैठक

भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, लुधियाना; भाकृअनुप – भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद; भाकृअनुप – भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान, झांसी तथा अखिल भारतीय समन्वित चारा अनुसंधान परियोजना को शामिल करते हुए दिनांक 16 जून, 2020 को एक बैठक का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता डॉ. टी.आर. शर्मा, उप महानिदेशक (फसल विज्ञान), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा की गई। इस बैठक में इन संस्थानों के बीच चारा अनुसंधान को जोड़ने के तरीकों पर विस्तार से चर्चा की गई।

प्रसार एवं आउटरिच

कोविड–19 महामारी के दौरान किसानों को परामर्श

कोविड–19 महामारी के दौरान, सामाजिक दूरी रखते हुए किसानों के साथ सम्पर्क को सतत बनाये रखने के लिए, भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान द्वारा कोविड–19 महामारी के अंतर्गत सुरक्षित कार्य करने हेतु मक्का किसानों को परामर्श प्रदान करने के संबंध में एक दस्तावेज तैयार किया गया। इस दस्तावेज को क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवादित कराया गया और समाचार–पत्रों, स्थानीय चैनल, ऑल इंडिया रेडियो, स्थानीय रेडियो स्टेशन, व्हाट्सऐप ग्रुप एवं फेसबुक आदि के माध्यम से किसानों के बीच प्रसारित किया गया।

किसानों को प्रशिक्षण

भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, लुधियाना द्वारा आत्मा स्कीम, देहरादून के अंतर्गत दिनांक 7 – 9 जनवरी, 2020 की अवधि के दौरान "उत्तराखंड़ में मक्का की उन्नत खेती द्वारा किसानों की आय को दोगुना करना" विषय पर किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें कुल 45 किसानों ने भाग लिया। संस्थान के वैज्ञानिकों ने मक्का की खेती से जुड़े विभिन्न पहलुओं जिनमें शामिल विषय जैसे & सामान्य रूप में उन्नत उत्पादन प्रौद्योगिकी, यांत्रिकीकरण, कीट–नाशीजीव एवं रोग प्रबंधन तथा विशिष्ट मक्का एवं मक्का सिलेज का महत्व पर व्याख्यान प्रस्तुत किए।

चित्र : किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागी

जनजातीय उप–योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम

आरएमआर एंड एसपीसी, बेगुसराय, बिहार द्वारा जनजातीय उप–योजना के अंतर्गत "संकर मक्का की वैज्ञानिक खेती, बीज उत्पादन तकनीकी एवं फॉल आर्मीवर्म कीट की प्रबंधन रणनीतियां" विषय पर दिनांक 20 – 24 जनवरी, 2020 के दौरान एक पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में झारखण्ड़ के विभिन्न जिलों से कुल 22 जनजातीय किसानों ने भाग लिया। किसानों को उपकरण किट (स्पड, कुदाल, दरांती, स्प्रे पम्प तथा फॉल आर्मीवर्म (FAW) प्रलोभन चारे के साथ फिरोमॉन ट्रैप) वितरित की गई।

चित्र : प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागी

निक्रा – अनुसूचित जाति उप–योजना (SCSP) के तहत प्रसार गति. विधियां

निक्रा – अनुसूचित जाति उप–योजना के अंतर्गत, भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान द्वारा सीएसकेएचपीकेवी, पालमपुर, हिमाचल प्रदेश के साथ सहयोग करते हुए हिमाचल प्रदेश के चम्बा जिले के चार भिन्न गांवों के किसानों को कुल चार मक्का थ्रेसर वित. रित किए गए । इसका आयोजन दिनांक 20 – 21 मार्च, 2020 की अवधि के दौरान कुल 1000 किसान परिवारों का क्षमता निर्माण करने की दिशा में किया गयज्ञं

चित्र : किसानों को मक्का थ्रेसर का वितरण

स्वीटकॉर्न की सफल गाथा

भाकृअनुप – पूर्वोत्तर पर्वतीय क्षेत्र, मिजोरम केन्द्र के साथ भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान की सहयोगात्मक परियोजना के परिणाम के रूप में मिजोरम से स्वीटकॉर्न की खेती पर एक सफल गाथा को दस्तावेजी रूप दिया गया और उसे दिनांक 24 मई, 2020 को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की वेबसाइट पर और भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान के फेसबुक पेज पर अपलोड किया गया।

अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन (FLDs)

रबी 2019–20 तथा वसंत 2020 के दौरान कुल नौ राज्यों यथा कर्नाटक, तमिल नाडु, बिहार, महाराष्ट्र, गुजरात, पश्चिम बंगाल, असम, पंजाब एवं उत्तराखण्ड़ में फैले 130 हेक्टेयर कृषि रकबे में अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन लगाये गए।

मानव संसाधन विकास

प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भागीदारी

क्र.सं.	वैज्ञानिक का नाम	प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम	आयोजन स्थल	दिनांक
1.	सुश्री शान्ति देवी बम्बोरिया	कृषि डाटा की मॉडलिंग एवं पूर्वानुमान के लिए सांख्यिकीय एवं मशीन लर्निंग तकनीकें	भाकृअनुप – भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान (ICAR - IASRI), पूसा, नई दिल्ली	20 दिसम्बर, 2019 से 9 जनवरी, 2020
2.	डॉ. भारत भूषण	खाद्य के गुणवत्ता मूल्यांकन एवं सुरक्षा के लिए त्वरित पहचान तकनीकें	भाकृअनुप – केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान (ICAR - CIAE), भोपाल	13 – 22 जनवरी, 2020

आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र.सं.	समन्वयक/सह–समन्वयक का नाम	आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम	स्कीम	लाभान्वितों की संख्या	आयोजन स्थल	दिनांक
1.	डॉ.एस.बी. सिंह श्री संतोष कुमार	मक्का की वैज्ञानिक खेती, इसका बीज उत्पादन एवं मक्का में फॉल आर्मीवर्म (FAW) के प्रबंधन एवं नियंत्रण के लिए रणनीतियां	जनजातीय उप–योजना (TSP)	23	क्षेत्रीय मक्का अनुसंधान एवं बीज उत्पादन केन्द्र, बेगुसराय, बिहार	20 – 24 जनवरी, 2020
2.	डॉ. एस.बी. सिंह श्री संतोष कुमार	मक्का में फॉल आर्मीवर्म (FAW) के नियंत्रण एवं प्रबंधन पर प्रशिक्षण	भाकृअनुप – बीज परियोजना	200	क्षेत्रीय मक्का अनुसंधान एवं बीज उत्पादन केन्द्र, बेगुसराय,	17 – 18 फरवरी, 2020

सम्मेलन/कार्यशाला/संगोष्ठी/बैठक में प्रतिभागिता

क्र.सं.	वैज्ञानिक का नाम	विदेशी दौरा/सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला अथवा बैठक में प्रतिभागिता	आयोजक एवं आयोजन स्थल	दिनांक
1	डॉ. सुजय रक्षित	107वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस	जीकेवीके बेंगलुरू कैम्पस	3 – 7 जनवरी, 2020
2	डॉ. जे.सी. शेखर	"तेलंगाना राज्य में कृषि में ड्रोन का उपयोग" विषय पर कार्यशाला	प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय, हैदराबाद	9 जनवरी, 2020
3	डॉ. एस.के. अग्रवाल	"यूएन टिकाऊ विकास लक्ष्यों को हासिल करने में पादप रोगविज्ञान" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	भाकृअनुप – भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा, नई दिल्ली	16-20 – जनवरी, 2020
4	डॉ. ईश्वर सिंह	"भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के मानव संसाधन विकास नोडल अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण प्रबंधन सूचना प्रणाली" पर ऑन–लाइन कार्यशाला	मानव संसाधन प्रबंधन इकाई, भाकृअनुप	8 मई, 2020
5	डॉ. जे.सी. शेखर	फसल नाशीजीवों के जैविक नियंत्रण पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की विर्च्युल 29वीं वार्षिक कार्यशाला	भाकृअनुप – राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, बेंगलुरू	21-22 मई, 2020
6	डॉ. एस.एल. जाट	चारा फसलों पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की ऑन–लाइन राष्ट्रीय समूह बैठक	चारा फसलों एवं इसकी उपयोगिता पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की कार्यक्रम समन्वय इकाई, झांसी	30 जून, 2020

पुरस्कार/सम्मान/मान्यता

- डॉ. भूपेन्द्र कुमार को राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी (NAAS), नई दिल्ली द्वारा जनवरी, 2020 से एनएएएस एसोसिएटशिप प्रदान की गई।
- डॉ. अभिजीत के. दास एवं डॉ. डी.पी. चौधरी ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग – एसईआरबी से रूपये 39.83 लाख की बाह्य वित्त पोषित परियोजना "ae 1 एलल के मार्कर सहायतार्थ अन्तर्गमन के माध्यम से प्रतिरोधी स्टार्च से भरपूर मक्का संकरों का विकास एवं उच्च एमाइलोज मक्का जननद्रव्य का विविध ीकरण" प्राप्त की।
- डॉ. जे.सी. शेखर को दिनांक 9 – 10 फरवरी, 2020 को लुधि ायाना, पंजाब में 'परिवर्तनशील जलवायु परिदृश्य के अंतर्गत फसल विविधीकरण के लिए मक्का" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार के दौरान मेज टैक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (MTAI) द्वारा डॉ. जोगिन्द्र सिंह उत्कृष्ट अनुसंधान पुरस्कार एवं फेलो पुरस्कार प्रदान किया गया।
- डॉ. भूपेन्द्र कुमार को दिनांक 9 – 10 फरवरी, 2020 को लुधि ायाना, पंजाब में 'परिवर्तनशील जलवायु परिदृश्य के अंतर्गत फसल विविधीकरण के लिए मक्का" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार के दौरान मेज टैक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (MTAI) द्वारा वर्ष 2020 के लिए डॉ. एन.एन. सिंह युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्रदान किया गया।
- डॉ. एस.एल. जाट को दिनांक 9 – 10 फरवरी, 2020 को लुधि ायाना, पंजाब में 'परिवर्तनशील जलवायु परिदृश्य के अंतर्गत फसल विविधीकरण के लिए मक्का" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार के दौरान मेज टैक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (MTAI) द्वारा वर्ष 2020 के लिए डॉ. एन.एन. सिंह युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्रदान किया गया।
- डॉ. रमेश कुमार को दिनांक 9 – 10 फरवरी, 2020 को लुधि ायाना, पंजाब में 'परिवर्तनशील जलवायु परिदृश्य के अंतर्गत फसल विविधीकरण के लिए मक्का" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार के दौरान वर्ष 2020 के लिए भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान के सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक (प्रधान वैज्ञानिक) के लिए सम्मानित किया गया।
- डॉ. एस.एल. जाट को दिनांक 9 – 10 फरवरी, 2020 को लुधि ायाना, पंजाब में 'परिवर्तनशील जलवायु परिदृश्य के अंतर्गत फसल विविधीकरण के लिए मक्का" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार के दौरान वर्ष 2020 के लिए भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान के सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक (वैज्ञानिक 1) के लिए सम्मानित किया गया।
- डॉ. अभिजीत के. दास को दिनांक 9 – 10 फरवरी, 2020 को लुधियाना, पंजाब में 'परिवर्तनशील जलवायु परिदृश्य के अंतर्गत फसल विविधीकरण के लिए मक्का" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार के दौरान वर्ष 2020 के लिए भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान के सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक (वैज्ञानिक 1) के लिए सम्मानित किया गया।
- श्री प्रमोद शर्मा, सहायक वित्त व लेखा अधिकारी एवं श्री धर्मबीर सिंह, वरिष्ठ लिपिक को दिनांक 9 – 10 फरवरी, 2020 को लुधि ायाना, पंजाब में 'परिवर्तनशील जलवायु परिदृश्य के अंतर्गत फसल विविधीकरण के लिए मक्का" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार के दौरान वर्ष 2020 के लिए भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान के सर्वश्रेष्ठ प्रशासनिक स्टाफ के लिए सम्मानित किया गया।
- श्री समीर राय को दिनांक 9 – 10 फरवरी, 2020 को लुधियाना, पंजाब में 'परिवर्तनशील जलवायु परिदृश्य के अंतर्गत फसल विविध ीकरण के लिए मक्का" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार के दौरान वर्ष 2020 के लिए भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान के सर्वश्रेष्ठ तकनीकी सहायक के लिए सम्मानित किया गया।
- श्री राम किशन को दिनांक 9 – 10 फरवरी, 2020 को लुधियाना, पंजाब में 'परिवर्तनशील जलवायु परिदृश्य के अंतर्गत फसल विविध ीकरण के लिए मक्का" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार के दौरान वर्ष 2020 के लिए भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान के सर्वश्रेष्ठ सहायी स्टाफ के रूप में सम्मानित किया गया।
- डॉ. एस.बी. सिंह, प्रधान वैज्ञानिक, आरएमआर एंड एसपीसी, बेगुसराय, बिहार एवं डॉ. चिकप्पा करजगी, वैज्ञानिक, भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली इकाई ने दिन. ांक 9 & 10 फरवरी, 2020 को लुधियाना, पंजाब में 'परिवर्तनशील जलवायु परिदृश्य के अंतर्गत फसल विविधीकरण के लिए मक्का" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार के दौरान सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्राप्त किया।
- डॉ. अभिजीत के. दास ने दिनांक 14 फरवरी, 2020 को भाकृअनुप – भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा, नई दिल्ली में आयोजित भाकृअनुसं के 58वें दीक्षांत समारोह में आनुवंशिकी विषय में उत्कृष्ट पीएच.डी. अनुसंधान के लिए भाकृअनुसं मेरिट पदक प्राप्त किया।
- डॉ. ईश्वर सिंह को वर्ष 2020–2021 के लिए इंडियन सोसायटी फॉर प्लांट फिजियोलॉजी (ISPP), नई दिल्ली का उपाध्यक्ष निर्वाचित किया गया।

चित्र : एमटीएआई पुरस्कार समारोह की झलकियां

छात्रों/प्रशिक्षुओं का दौरा

- छत्तीसगढ़ कृषि कॉलेज, धनोरा रोड, रिशाली, भिलाई, दुर्ग, छत्तीसगढ़ से बी.एससी. (कृषि) अंतिम वर्ष के 36 छात्रों के एक बैच ने अपने शैक्षणिक दौरे के भाग के रूप में दिनांक 19 फरवरी, 2020 को भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थ. ान, नई दिल्ली इकाई का दौरा किया। डॉ. कृष्ण कुमार, वैज्ञा. निक (जैव प्रौद्योगिकी) ने संस्थान के विद्यमान मक्का जैव प्रौद्योगिकी कार्यक्रम के बारे में छात्रों को जानकारी दी। इसके साथ ही छात्रों को ऊतक संवर्धन तकनीकों और जीन स्थान. ान्तरण विधियों के बारे में भी जानकारी दी गई। छात्रों को वि. भन्न प्रयोगशाला उपकरणों की कार्यप्रणाली के बारे में दिखाया गया और उन्हें ऑन–लैब अनुभव के लिए ऊतक संवर्धन प्रयोगशाला में भी ले जाया गया।
- नेहरू युवा केन्द्र के 35 प्रशिक्षुओं के एक समूह ने दिनांक 7 मार्च, 2020 को क्षेत्रीय मक्का अनुसंधान एवं बीज उत्पादन केन्द्र (RMR & SPC), बेगुसराय, बिहार का दौरा किया। प्रशिक्षुओं को मक्का फसल के संकर बीज उत्पादन के पीछे तकनीकी विवरण एवं विज्ञान के बारे में जानकारी प्रदान की गई।
- साई नाथ विश्वविद्यालय, रांची के एक यूजी छात्र को आरएमआर एवं एसपीसी, बेगुसराय, बिहार में तीन माह के ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (RAWE) कार्यक्रम की सुविधा प्रदान की गई। छात्र को खेत विन्यास तैयार करने, प्रयोगों की डिजाइन बनाने तथा मक्का में रख–रखाव एवं संकरण के बारे में जानने का अवसर मिला।

वेबीनार में प्रतिभागिता

क्र.सं.	वैज्ञानिक का नाम	वेबीनार/व्याख्यान में भागीदारी	आयोजक	दिनांक
1	डॉ. सुजय रक्षित निदेशक	डॉ. आर.एस. परोदा, अध्यक्ष, तास द्वारा "सुरक्षित एवं टिकाऊ कृषि के लिए सुधार – एक रोडमैप" विषय पर प्रस्तुत 27वां बी.पी. पाल स्मारक व्याख्यान	भाकृअनुप – भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा, नई दिल्ली	27 मई, 2020
2	डॉ. प्रदीप कुमार	खाद्य, स्वास्थ्य तथा पोषण के लिए जीनोमिक्स पर फसल सुधार हेतु अगली पीढ़ी जीनोमिक्स एवं एकीकृत प्रजनन (VII-NGGIBCI)	अर्ध–शुष्क ट्रॉपिक्स के लिए अंतर्राष्ट्रीय फसल अनुसंधान संस्थान (ICRISAT), हैदराबाद	14 मई, 2020

क्र. सं	वैज्ञानिक	वेबीनार/व्याख्यान में भागीदारी	आयोजक	दिनांक
3	श्री संतोष कुमार	खाद्य, स्वास्थ्य तथा पोषण के लिए जीनोमिक्स पर फसल सुधार हेतु अगली पीढ़ी जीनोमिक्स एवं एकीकृत प्रजनन	अर्ध–शुष्क ट्रॉपिक्स के लिए अंतर्राष्ट्रीय फसल अनुसंधान संस्थान (ICRISAT), हैदराबाद	14 मई, 2020
4	डॉ. एन. सुनील	कोविड एवं मक्का मूल्य श्रृंखला – चुनौतियां एवं संभावनाएं	फेडरेशन ऑफ इंडियन कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (FICCI), नई दिल्ली	22 मई, 2020
5	डॉ. जे.सी. शेखर	बागवानी सहित कृषि में कोविड–19 महामारी उपरांत चुनौतियां एवं विकल्प – विषमता को अवसर में रूपांतरित करना	प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय (PJTSAU) , हैदराबाद	28 मई, 2020
		रेगिस्तान टिड्डी प्रबंधन : वर्तमान स्थिति एवं भावी चुनौतियां	भाकृअनुप – भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा, नई दिल्ली	30 मई, 2020
		रेगिस्तान टिड्डी पर विर्च्युल बैठक	जैविक नियंत्रण पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना एवं भाकृअनुप – राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, बेंगलुरू	5 जून, 2020
		परिवर्तनशील जलवायु परिदृश्य के अंतर्गत पोषणिक रूप से समृद्ध मक्का का विकास, चुनौतियां एवं संभावनाएं	शेरे कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (SKUAST), जम्मू, जम्मू व कश्मीर	3 जुलाई, 2020
6	श्री दीप मोहन माहला	वैज्ञानिक लेखन में LaTeX की भूमिका	गणित विभाग, बीबीडीएनआईआईटी, लखनऊ	19 - 21 जून, 2020

सेमिनार/वेबीनार में प्रस्तुत व्याख्यान

क्र.सं.	वैज्ञानिक का नाम	प्रस्तुत व्याख्यान	सेमिनार/वेबीनार	आयोजक	दिनांक
1	डॉ. सुजय रक्षित	भारत में मक्का प्रजनन – वर्तमान स्थिति एवं भावी चुनौतियां	विशेष सेमिनार	कृषि कॉलेज, विश्व भारती, श्रीनिकेतन	18 फरवरी, 2020
2	डॉ. आला सिंह	पादप जैव प्रौद्योगिकी में प्रगति	विज्ञान सेतु : कॉलेज पूर्व छात्रों के लिए क्लासिकल जीवविज्ञान एवं जैव प्रौद्योगिकी को जोड़ना	दोआबा कॉलेज, जालन्धर, पंजाब	7 - 30 मई, 2020
		कृषि पर कोविड–19 का प्रभाव	विज्ञान सेतु : कॉलेज पूर्व छात्रों के लिए क्लासिकल जीवविज्ञान एवं जैव प्रौद्योगिकी को जोड़ना	दोआबा कॉलेज, जालन्धर,	7 - 30 मई, 2020
3	डॉ. एस.बी. सिंह	कोविड–19 अवधि के दौरान रबी मक्का एवं संकर बीज की मार्केटिंग	कोविड–19 महामारी की परिस्थिति का मुकाबला करने हेतु कृषि मार्केटिंग की रणनीतियां	चौधरी चरण सिंह राष्ट्रीय कृषि मार्केटिंग संस्थान (CCS NIAM), जयपुर	14 मई, 2020
4	डॉ. एम.सी. डागला	मक्का : कोविड–19 परिस्थितियों के दौरान फसल एवं फसलोत्तर प्रबंधन	कोविड–19 महामारी की परिस्थिति का मुकाबला करने हेतु कृषि मार्केटिंग की रणनीतियां	चौधरी चरण सिंह राष्ट्रीय कृषि मार्केटिंग संस्थान (CCS NIAM), जयपुर	15 मई, 2020

आयोजित सेमिनार

क्र.सं.	वक्ता	विषय	दिनांक
1	डॉ. ईश्वर सिंह	त्वरित प्रजनन : मक्का में अवसर	25 अप्रैल, 2020
2	डॉ. सुजय रक्षित निदेशक, भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान,	सम्पादन में प्रचलित त्रुटियां	26 मई, 2020
3	डॉ. पी.एन. शर्मा सीएसकेएचपीकेवी, पालमपुर, हिमाचल प्रदेश	पादप रोगजनकों में भिन्नता एवं प्रतिरोधिता प्रजनन में निहितार्थ	30 मई, 2020

प्रमुख बैठकों में भागीदारी

- डॉ. सुजय रक्षित, निदेशक ने दिनांक 19 मार्च, 2020 को निदेशकों की वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग में भाग लिया।
- डॉ. एस.बी. सिंह ने दिनांक 14 – 15 मई, 2020 को राष्ट्रीय बीज परियोजना एवं भाकृअनुप बीज परियोजना की संयुक्त वार्षिक समूह बैठक (ऑन–लाइन) में भाग लिया।
- डॉ. जे.सी. शेखर ने दिनांक 17 जून, 2020 को एफएओ, बैंकाक के साथ फॉल आर्मीवर्म (FAW) प्रबंधन पर क्षेत्रीय संचालन समूह की ऑन–लाइन बैठक में भाग लिया।
- डॉ. जे.सी. शेखर ने दिनांक 18 जून, 2020 को मक्का की खेती करने वाले प्रमुख राज्यों में फॉल आर्मीवर्म (FAW) की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करने के लिए प्रधान सचिव (कृषि) एवं निदेशक कृषि के साथ विर्च्युल बैठक में भाग लिया। इस बैठक की अध्यक्षता सचिव, कृषि सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा की गई।

प्रदत्त पेटेन्ट

दिनांक 29 अप्रैल, 2020 को कीट पालन पिंजरा जिसे उपयोग में नहीं रहने पर मोड़कर रखा जा सकता है, के लिए एक पेटेन्ट प्रदान किया गया (पेटेन्ट संख्या 311890)।

स्थानान्तरण

नाम एवं पदनाम	स्थानान्तरण की तारीख	जहां स्थानान्तरण किया गया
श्री संतोष कुमार, वैज्ञानिक	06 जून, 2020	भाकृअनुप – भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, हजारीबाग, झारखण्ड़

कार्यभार ग्रहण

क्र.सं.	नाम	पदनाम एवं विषय	कार्यभार ग्रहण की तारीख	तैनाती का स्थान
1	 श्री प्रियजोय कर	वैज्ञानिक (कृषि प्रसार)	04 अप्रैल, 2020	भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, लुधियाना, पंजाब
2	 सुश्री सीमा श्योराण	वैज्ञानिक (पादप प्रजनन)	04 अप्रैल, 2020	भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, लुधियाना, पंजाब

संकलन एवं सम्पादन :

डॉ. डी.पी. चौधरी, श्रीमती एस. डी. बंबोरिया, डॉ. बी. एस. जाट, डॉ. आला सिंह एवं डॉ. ए.के. दास

द्वारा प्रकाशित :

डॉ. सुजय रक्षित
निदेशक, भाकृअनुप – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान
(आईएसओ 9001 : 2008 प्रमाणित संस्थान)
पीएयू कैम्पस, लुधियाना – 141 004
फोन : 0161-2440048; फैक्स : 0161-2430038
ई–मेल : pdmaize@gmail.com | director.maize@icar.gov.in
वेबसाइट : www.iimr.icar.gov.in

भाकृअनुप
ICAR

भामअनुसं
IIMR